प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसानों तक आधुनिक तकनीक पहुँचाने हेतु पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण बैठक

पंतनगर। 24 मार्च 2026। उत्तराखंड राज्य में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों में किसानों को नवीनतम तकनीकों का सीधा लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने की। बैठक में उत्तराखंड राज्य नीति आयोग (सेतु) के उपाध्यक्ष श्री राजशेखर जोशी, सलाहकार श्री हनुमंत रावत, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डा. पी.के. सिंह एवं डा. लतिका सिंह उपस्थित रहे। वहीं, गेट्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की।

बैठक के दौरान उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में किसानों की मूलभूत समस्याओं पर गहन विचार–विमर्श किया गया। इन समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न क्षेत्रों में नए स्टार्टअप विकसित करने और किसानों तक सीधा लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान प्रदेश की प्रमुख समस्याओं को चिन्हित कर उनकी प्राथमिकताएं तय करने तथा किसानों को संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा, सीमैप पंतनगर, कैप सेलाकुई तथा जी.बी. पंत संस्थान कोसी कटारमल जैसे संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सोशल अल्फा एनजीओ के प्रतिनिधि श्री ओमकार पांडेय एवं राहुल दीप द्वारा किसानों की आजीविका बढ़ाने हेतु विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया गया।

कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने किसानों को अल्प अवधि में लाभ प्रदान करने वाली तकनीकों को प्राथमिकता से पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में त्वरित सुधार होगा और वे कृषि को लाभकारी उद्यम के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। साथ ही, दीर्घकालिक योजनाओं के माध्यम से स्थायी लाभ सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों में विकसित तकनीकों के व्यावसायीकरण पर भी जोर दिया।

कृषि विभाग के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में प्रचुर मात्रा में उत्पादित होने वाली फसलों, जैसे गोला नाशपाती, के प्रसंस्करण एवं भंडारण पर कार्य करने, परती भूमि में चारा उत्पादन बढ़ाने तथा पर्वतीय क्षेत्रों के लिए छोटे कृषि उपकरणों के व्यावसायिक उत्पादन को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। बैठक का संचालन निदेशक शोध डा. एस.के. वर्मा ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्रा, निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेंद्र क्वात्रा, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल सहित सभी शोध केंद्रों के संयुक्त निदेशक भी उपस्थित रहे।